Regarding need to promote spiritual tourism in Himachal Pradesh and also set up a Yoga Vidyalaya in Mandi area of the state-Laid

सुश्री कंगना रनौत **(मंडी) :** हिमाचल प्राचीन काल से ही भारत का गौरवमयी भूभाग रहा है । यह ऋषियों, देवताओ, स्वयं शिव- पार्वती, ऋषि वेद व्यास, मार्कण्डेय ऋषि एवं पांडवो की तपो स्थली रही है । हिमाचल प्रदेश का कई ग्रंथों और पुराणों में वर्णन मिलता है । हम अपनी संस्कृति, अपनी सभ्यता और प्राचीन पुण्य स्थलों को भूलते जा रहे है । आज दुर्दशा यह है कि लोग हिमाचल को भांग पीने, सस्ती शराब और रेव पार्टीज़ का पर्यटक स्थान मानने लगे हैं । इससे हमारी देव भूमि के देव समाज एवं सनातन संस्कृति को ठेस पहुँचती है । महाभारत काल में पांडव, ऋषि मुनि, तपस्या, ध्यान के लिए, और अध्यात्म की दृष्टि से लाभ के लिये हिमाचल प्रदेश आया करते थे । हिमाचल के प्राचीन गौरवमयी आध्यात्मिक इतिहास को देखते हुए मेरी आयुष मंत्रालय से हिमाचल प्रदेश की जनता की तरफ से यह मांग है कि वहाँ आध्यात्मिक टूरिज्म को बढ़ावा दिया जाए । मैं आयुष मंत्रालय से आग्रह करती हूँ कि बिहार की तरह हिमाचल प्रदेश के मंडी क्षेत्र में एक वैश्विक सतर का योग विद्यालय खोला जाए, जहां देश विदेश से लोग आएँ और अध्यात्म एवं आयुर्वेद का लाभ उठाए । जिससे हिमाचल के वैभव और संस्कृति को वापस स्थापित किया जा सके ।